।। गणेश आरती ।।

।। गणेश आरती ।।

जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा ।
माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा ॥

एकदन्त दयावन्त, चार भुजाधारी ।
माथे सिन्दूर सोहे, मूसे की सवारी ॥
(जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा…)

पान चढ़े फूल चढ़े, और चढ़े मेवा ।
लड्डुअन का भोग लगे, सन्त करें सेवा ॥
(जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा…)

अंधन को आँख देत, कोढ़िन को काया ।
बाँझन को पुत्र देत, निर्धन को माया ॥
(जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा…)

सूर श्याम शरण आए, सफल कीजे सेवा ।
माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा ॥
(जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा…)

बोलो गणपति बप्पा मोरया! मंगल मूर्ति मोरया!

https://hanumanchalisaa.com/